UPSC MAINS · ANSWER PRACTICE

International Relations · GS - II

भारत और पोलैंड के बीच रक्षा ,
अंतरिक्ष तथा परमाणु ऊर्जा के
क्षेत्रों में सहयोग की
संभावनाओं का विश्लेषण कीजिए।
यह सहयोग भारत की रणनीतिक
स्वायत्तता और ऊर्जा सुरक्षा
को किस प्रकार मजबूत कर सकता है?

EXAM YEAR

DAILY PRACTICE 22/10/2026

PAPER

GS - II

SUBJECT
International Relations

MARKS

10

WORD LIMIT

~150 words

Answer Hint
भारत -पोलैंड रणनीतिक साझेदारी ; रक्षा सहयोग ; अंतरिक्ष
प्रौद्योगिकी ; परमाणु ऊर्जा ; ऊर्जा सुरक्षा ; यूरोपीय संघ के
साथ संबंध ; रणनीतिक स्वायत्तता ; प्रौद्योगिकी हस्तांतरण ;
आर्थिक कूटनीति

Model Answer
भूमिका
भारत और पोलैंड के बीच सहयोग का विस्तार भारत की यूरोपीय
साझेदारियों को विविध बनाने तथा रणनीतिक और आर्थिक हितों को आगे
बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।
सहयोग के प्रमुख क्षेत्र

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

1. रक्षा सहयोग

रक्षा उपकरणों , प्रौद्योगिकी ,
प्रशिक्षण और अनुसंधान में सहयोग की
संभावनाएँ हैं।
इससे रक्षा क्षमताओं के विकास और
आपूर्ति शृंखलाओं के विविधीकरण में
सहायता मिल सकती है।

2. अंतरिक्ष एवं वैज्ञानिक अनुसंधान

उपग्रह प्रौद्योगिकी , पृथ्वी अवलोकन और
वैज्ञानिक अनुसंधान में संयुक्त
परियोजनाएँ उपयोगी हो सकती हैं।
शैक्षणिक संस्थानों तथा अनुसंधान
संगठनों के बीच साझेदारी नवाचार को
बढ़ावा दे सकती है।

3. परमाणु ऊर्जा एवं ऊर्जा सुरक्षा

शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा सहयोग भारत के
ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण में योगदान
दे सकता है।
सुरक्षा मानकों , वित्तपोषण , तकनीकी
आवश्यकताओं और परमाणु अपशिष्ट प्रबंधन
पर ध्यान देना आवश्यक है।

चुनौतियाँ एवं आगे की राह

निर्यात नियंत्रण , वित्तपोषण , तकनीकी
अनुकूलता और नियामकीय आवश्यकताओं का
समाधान किया जाना चाहिए। नियमित संवाद तथा
पारस्परिक लाभ पर आधारित परियोजनाएँ सहयोग
को प्रभावी बना सकती हैं।

निष्कर्ष

भारत -पोलैंड सहयोग भारत की रणनीतिक
स्वायत्तता , तकनीकी क्षमता और ऊर्जा
सुरक्षा को समर्थन दे सकता है तथा यूरोप के
साथ संबंधों को व्यापक बना सकता है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias